गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 17 | गोरखपुर रविवार 19 अक्टूबर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

त्योहारों पर सीएम योगी का सख्त फरमान

भीड़भाड़ वाले इलाकों में बढ़ाएं गश्त, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

● सीएम योगी आदित्यनाथ ने त्योहारों के दौरान सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने भीड़भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और धार्मिक स्थलों पर पुलिस गश्त बढ़ाने, ड्रोन व सीसीटीवी से 24 घंटे निगरानी करने के आदेश दिए तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई को कहा।

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्योहारों और समारोहों के संबंध में सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान "जरा सी भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी" और सभी अधिकारी मैदान में सक्रिय रहें, उनके कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में कहा। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, भीड़-भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और धार्मिक स्थलों पर पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, ड्रोन और सीसीटीवी से 24 घंटे निगरानी करने और किसी भी आपात स्थिति के लिए दमकल गाड़ियों को अलर्ट पर रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस, प्रशासन और नगर निगम के बीच निरंतर समन्वय पर भी जोर दिया। उन्होंने "सुचारू यातायात, निर्बाध बिजली आपूर्ति और उचित स्वच्छता" बनाए रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि "अपराधियों और माफिया तत्वों के विरुद्ध निरंतर अभियान जारी रहना चाहिए और कहीं भी बिजली के तार लटकते नहीं मिलने चाहिए।" मुख्यमंत्री योगी ने आगे यह भी सुनिश्चित किया कि "त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से मनाया जाए, जो सभी अधिकारियों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।"

प्रियंका चतुर्वेदी की दो टूक:

तेजस्वी को मुख्यमंत्री चेहरा बनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि तेजस्वी यादव, जो एक "बहुत लोकप्रिय उम्मीदवार" और पूर्व उपमुख्यमंत्री हैं, को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाना चाहिए। बिहार चुनाव 2025 के लिए मतदान 6 और 11 नवंबर को होंगे। नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएँगे। शुक्रवार को चतुर्वेदी ने एएनआई से कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में हुई गलतियाँ, जिनमें मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा न करना, और सीटों के बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन को लेकर तीनों गठबंधन सहयोगियों के बीच विवाद शामिल हैं, बिहार में नहीं दोहराई जानी चाहिए। तेजस्वी यादव एक बेहद लोकप्रिय उम्मीदवार हैं। चतुर्वेदी ने आगे कहा कि नीतीश कुमार और मुख्यमंत्री पद के अन्य तथाकथित दावेदारों के साथ उनकी लगभग कड़ी टक्कर है। उप-मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने अद्भुत काम किया है। इसलिए अब समय आ गया है कि इंडिया अलायंस के हिस्से के रूप में और इसकी भावना के अनुरूप, जिसके साथ हम आए हैं, हम सभी को उस पार्टी का समर्थन करना चाहिए जो मजबूत हो और उन्हें समर्थन दिया जाएगा, उनकी मदद की जाएगी, और उन्हें मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 48 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है।

योगी सरकार पर अखिलेश का हमला...

बिजली, ट्रैफिक, स्मार्ट सिटी... कहीं नहीं विकास!

● अखिलेश यादव ने योगी सरकार को "निकम्मी" बताते हुए बिजली संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया और लखनऊ में ट्रैफिक जाम के बावजूद "स्मार्ट सिटी" के दावों पर सवाल उठाए। उन्होंने बिहार चुनाव में सीएम योगी की भूमिका को फूट डालने वाला बताते हुए भाजपा पर नफरत फैलाने का आरोप लगाया।

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को धनतेरस और दिवाली की सभी को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने योगी सरकार की तीखी आलोचना करते हुए उसे निकम्मी सरकार करार दिया और कहा कि इससे बिजली की उम्मीद मत कीजिए। एक सभा को संबोधित करते हुए, सपा प्रमुख ने कहा कि यह निकम्मी सरकार है। इससे बिजली की उम्मीद मत कीजिए। राज्य की हालत यह है कि लखनऊ में हर जगह ट्रैफिक जाम है, फिर भी इसे स्मार्ट सिटी कहा जा रहा है। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि लखनऊ को तीसरा सबसे स्मार्ट शहर घोषित करने वाले अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "शहर में इतना कचरा और ट्रैफिक है। करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी ट्रैफिक को नियंत्रित नहीं कर पाते।" अखिलेश यादव ने बिहार चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका की आलोचना करते हुए कहा कि वे प्रचार करने के बजाय फूट डाल रहे हैं। उन्होंने एनडीए सरकार पर नफरत फैलाने, नकारात्मक विचार रखने और नागरिकों के एक समूह को बहिष्कृत करने का आरोप लगाया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिहार के चुनावी रणक्षेत्र में प्रवेश किया और भाजपा के रामकृपाल यादव (दानापुर) और एनडीए के श्याम रजक (फुलवारी शरीफ) के समर्थन में रैलियों को संबोधित किया। राजद-कांग्रेस गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने उन पर "विकास बनाम बुर्का" की विभाजनकारी राजनीति को हवा देकर बिहार के विकास को पटरी से उतारने का आरोप लगाया।

'हवाईअड्डों पर अधिकारियों को मौजूदा कानूनों के प्रति संवेदनशील बनाने की जरूरत', सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर काम करने वाली क्षेत्रीय एजेंसियों के लिए यह बेहद जरूरी है कि वे अपने अधिकारियों को मौजूदा कानूनों के बारे में पहले से ही संवेदनशील बनाएं, खासकर तब जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय यात्री को हिरासत में लेने या गिरफ्तार करने जैसा गंभीर कदम उठाने जा रहे हों। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह टिप्पणी उस समय की, जब उन्होंने प्रवासी भारतीय (एनआरआई) रॉकी अब्राहम की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। अब्राहम पिछले बीस वर्षों से इटली में बसे भारतीय नागरिक हैं। जनवरी 2025 में अब्राहम को दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया था। उस पर आरोप था कि वह अपने सामान में हिरण की सींग लेकर जा रहे थे, जो कि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत प्रतिबंधित है। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बैग से सींग बरामद होने के बाद उसके खिलाफ इस अधिनियम की धारा 39, 49 और 51 के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी और उसे गिरफ्तार कर लिया था। अब्राहम करीब दो हफ्ते तक हिरासत में रहे। इसके बाद उन्हें कड़ी शर्तों के साथ जमानत मिली, जिसमें भारत छोड़ने पर प्रतिबंध भी शामिल था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि डीएनए जांच के अनुसार जो वस्तु उसके पास मिली, वह वास्तव में रेंडियर (हिरण परिवार का सदस्य) की सींग थी, जो भारत के वन या वन्यजीव कानूनों का उल्लंघन नहीं करती। शीर्ष कोर्ट ने कहा, यह कोर्ट महसूस करता है कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों से जुड़े मामलों को देखने वाली एजेंसियों को अपने अधिकारियों को मौजूदा कानूनों की सही जानकारी देना जरूरी है, ताकि वे गिरफ्तारी जैसे सख्त कदम उठाने से पहले सोच-समझकर और कानूनी सलाह लेकर काम करें।

अधिक संरक्षणवादी होती दुनिया में भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता सकारात्मक संकेत देता है: सुनक

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुक्रवार को कहा कि अधिक संरक्षणवादी होती जा रही दुनिया में भारत और ब्रिटेन जैसे देशों द्वारा एक बड़े व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करना दुनिया को बहुत सकारात्मक संकेत देता है।

जेडीयू का विपक्ष पर बड़ा हमला, कहा- आज भी आपराधिक छवि वालों को मिल रहे टिकट

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में अब दो हफ़्ते से भी कम समय बचा है, ऐसे में जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय कुमार झा ने शनिवार को कहा कि सत्तारूढ़ दल ने कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार का हवाला देते हुए विधानसभा चुनाव एक चरण में कराने की माँग की थी। पटना में एएनआई से बात करते हुए, झा ने कहा, "पहले, चुनाव छह चरणों में होते थे और दो महीने तक चलते थे... अब, यहाँ नक्सलवाद भी खत्म हो गया है, और कानून-व्यवस्था इतनी अच्छी है कि हमारी पार्टी ने केवल एक चरण की माँग की थी।"

सम्पादकीय...

प्रदूषण की जवाबदेही

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियों पर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं। वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की निगरानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अनिवार्यता नहीं रही है। निस्संदेह, दीप पर्व उजाले का उत्सव है, ताकि धरा पर कहीं अंधेरा न रह जाए, गरीब की झोपड़ी भी रोशन हो, समृद्धि हर घर तक पहुंचे। सही मायनों में पर्व सामूहिकता की भावना पर केंद्रित होते हैं। ऐसे में यदि हम घातक पटाखे जलाकर श्वास रोगों से पीड़ित मरीजों से लेकर आम आदमी को मुश्किल में डाल दें, तो यह पर्व का मर्म नहीं कहा जा सकता। वैसे ग्रीन पटाखों के बारे में भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि उनके उत्पादन के दौरान निर्धारित मानकों का पालन किया गया हो। पटाखे जिस गुणवत्ता से बनते और बिकते हैं, कहना मुश्किल ही है कि वे वास्तव में पर्यावरण के अनुकूल होंगे। वैसे यह भी हकीकत है कि दिल्ली में हर साल ठंड की दस्तक के साथ बढ़ने वाले घातक प्रदूषण के लिए सिर्फ पटाखे ही जिम्मेदार नहीं होते। मौसम की प्रतिकूलता तथा जनसंख्या के बढ़ते घनत्व के कारण महानगरों में बहुमंजिला इमारतों के विस्तार से भी हवा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है, जिसके चलते प्रदूषण की परत दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी और निकटवर्ती शहरों के ऊपर छाई रहती है।

राशिफल

मेषः- आप वाक्चातुर्य से मीठे सम्बंध बांध सकेंगे, जो कि भविष्य में आपके लिए लाभदायी सिद्ध होंगे। वैचारिकरुप से समृद्धि बढ़ेगी।

वृषभः- आपको वाद-विवाद में अच्छी सफलता मिलेगी। परिश्रम की अपेक्षा कम प्राप्ति होने पर भी अपने कार्य में आप अग्रसर हो सकेंगे।

मिथुनः- भावना और संवेदनशीलता में बहकर स्त्रीवर्ग से सम्बंध न बांधें। मन दुविधा में रहने से निर्णय लेने में बाधा आ सकती है। प्रवास टालें।

ककर्ः- आज का दिन प्रफुल्लितता से भरा रहेगा। नए कार्य का आरंभ भी आज कर सकते हैं। मित्रों और स्नेहीजनों से भेंट होने से आनंद हो सकता है।

सिंहः- आपके लिए मिश्र फलदायी है आज का दिन। परिजनों के साथ आप अच्छी तरह से समय बिताएंगे। उनका सहयोग भी मिल सकता है।

कन्याः- आज का दिन परोपकार और सदभावनाओं में बीतेगा। मानसिक रूप से कार्यभार अधिक रहेगा। आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

तुलाः- आज का दिन आपके लिए प्रतिकूल रहने से सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

वृश्चिकः- आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। मित्रों के साथ भेंट होगी तथा उनके साथ घूमने-फिरने, आनंद-प्रमोद करने में खर्च होगा।

धनुः- आपकी यश, कीर्ति और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में उच्च पदाधिकारी खुश रहने से पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। स्वास्थ्य बना रहेगा।

मकरः- बौद्धिक कार्य या साहित्य लेखन जैसी प्रवृत्तियों के लिए आज अनुकूल दिन है। व्यवसाय के क्षेत्र में प्रतिकूल वातावरण आपके मन को अस्वस्थ करेंगे।

कुंभः- आपको आज निषेधात्मक कार्यों और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की सलाह देते हैं। झगड़े-विवाद से बचें, क्रोध और वाणी पर संयम रखें।

मीनः- दैनिक कार्यों से बाहर निकल कर आज आप घूमने-फिरने और मनोरंजन के पीछे समय बिताएंगे। व्यवसाय में भागीदारी के लिए शुभ समय है।

भाजपा के लोजपा (रामविलास) प्रेम से एनडीए के अन्य सभी सहयोगी आहत

डॉ. ज्ञान पाठक

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) और हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (एचएएम) ने 15 अक्टूबर को लोजपा (रामविलास) को 29 सीटों के आवंटन पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और इसे 'असमानुपातिक' बताया। इस सार्वजनिक आलोचना के कारण एनडीए, विशेषकर भाजपा नेतृत्व को घोषणा के तीन दिनों के भीतर कई सीटों पर फिर से बातचीत करनी पड़ी। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया जैसे-जैसे आगे बढ़ी, अति-आत्मविश्वासी भाजपा नेतृत्व एनडीए में अपने सहयोगी दलों में से एक, लोजपा (रामविलास) के प्रति आसक्त हो गया। एनडीए के पांच सहयोगियों में से तीन- जद(यू), रालोम और एचएएम ने इस पर नाराजगी जताई है। जहां प्रमुख सहयोगी जद(यू) ने सीटों के बंटवारे के खिलाफ कोई सार्वजनिक बयान देने से परहेज करते हुए भाजपा नेतृत्व से अपनी आपत्तियां व्यक्त कीं, वहीं रालोम और एचएएम ने सार्वजनिक रूप से अपनी नाराजगी व्यक्त की है, जिससे उनके समर्थकों को भाजपा के खिलाफ स्पष्ट संदेश मिल गया है। हालांकि भाजपा ने तुरंत ही इस नाराजगी की आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन शुरू कर दिया है, लेकिन राजनीतिक नुकसान पहले ही हो चुका है, जिसका असर नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजों पर पड़ना तय है। बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए द्वारा सीट बंटवारे की घोषणा स्पष्ट रूप से भाजपा का निर्णय है, जिस पर उसके किसी भी सहयोगी दल ने सहमति नहीं जताई, सिवाय मुख्य लाभार्थी चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के, जिसे चुनाव लड़ने के लिए 29 सीटें दी गई हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) और हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (एचएएम) ने 15 अक्टूबर को लोजपा (रामविलास) को 29 सीटों के आवंटन पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और इसे 'असमानुपातिक' बताया। इस सार्वजनिक आलोचना के कारण एनडीए, विशेषकर भाजपा नेतृत्व को घोषणा के तीन दिनों के भीतर कई सीटों पर फिर से बातचीत करनी पड़ी। निवर्तमान बिहार विधानसभा में, लोजपा (रामविलास) के पास एक भी सीट नहीं है, लेकिन उसे चुनाव लड़ने के लिए 29 सीटें मिली हैं, और यह सब भाजपा के पार्टी के प्रति नए प्रेम के कारण है। लोजपा ने 2020 का विधानसभा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ा था। लोजपा ने एक सीट जीती थी और वह 5 सीटों पर दूसरे स्थान पर रही थी। बाद में लोजपा के एकमात्र विधायक जद(यू) में शामिल हो गये। 2021 में लोजपा का विभाजन हो गया, जब पशुपति नाथ पारस पार्टी के पांच में से चार सांसदों को लेकर भाजपा से हाथ मिला लिया। उस समय भाजपा ने चिराग पासवान की पूरी तरह से उपेक्षा की थी। अब स्थिति बदल गई है। चिराग पासवान अब भाजपा के साथ गठबंधन में हैं और उनके चाचा पशुपति नाथ पारस,

बिहार में महागठबंधन नामक इंडिया ब्लॉक में शामिल हो गए हैं। लोजपा (रामविलास) 2024 का लोक सभा चुनाव एनडीए के साथ लड़ी थी और पांच सीटें जीती थीं। चिराग पासवान के पक्ष में परिणाम प्रभावशाली रहे थे, हालांकि जदयू नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुरू में चिराग को एनडीए में शामिल करने के विरोधी थे। भाजपा स्पष्ट रूप से एनडीए में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महत्व को कम करके चिराग पासवान को आगे बढ़ा रही है। भाजपा नेतृत्व के इस बदले हुए रवैये से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अन्य जदयू नेता नाखुश हैं, लेकिन पार्टी के पास इसके साथ समझौता करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। नीतीश ने 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इंडिया ब्लॉक को छोड़ दिया था और भाजपा से हाथ मिला लिया था। 'पलटू राम' (बार-बार पाला बदलने वाला) की उपाधि से उन्होंने अपनी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है। भाजपा बिहार में अपने हर राजनीतिक कदम से नीतीश कुमार को अपमानित करती रहती है। फिर भी, जदयू अभी भी भाजपा की किसी भी सार्वजनिक आलोचना से बच रही है, और भाजपा नेतृत्व को अपनी नाराजगी से नियमित रूप से अवगत कराती रही है। सोनबरसा और राजगीर सीटों पर जद(यू) के मौजूदा विधायक हैं। सोनबरसा से विधायक रत्नेश सदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी हैं और 2010 से इस सीट से जीतते आ रहे हैं। चिराग ने अपनी पार्टी के लिए इस सीट पर दावा किया है। जहां तक राजगीर की बात है, जदयू पिछले दो कार्यकाल से इस सीट पर जीत हासिल कर रही है, और यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गृह क्षेत्र भी है। जद(यू) किसी भी तरह से ये सीटें लोजपा (रामविलास) को देने को तैयार नहीं है, और चिराग को अपनी दावेदारी छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

कुछ खास...

फिल्मी दिवाली में प्रतीकों के जरिये बहुत कुछ कहने की परंपरा

फिल्मों में हर त्योहार का अपना अलग प्रसंग और संदर्भ है। होली जहां मस्ती के मूड, विलेन की साजिश के असफल होने और नायक-नायिका के मिलन का प्रतीक बनता है। जबकि, दिवाली का फिल्मी कथानकों में अलग ही महत्व देखा गया। जब फिल्में रंगीन नहीं थी, तब भी दिवाली के दृश्य फिल्माए गये। पर, वास्तव में दिवाली को प्रतीकात्मक रूप ज्यादा दिया गया। अधिकांश पारिवारिक फिल्मों में दिवाली मनाई गई, पर सिर्फ लक्ष्मी पूजन, रोशनी और पटाखों तक सीमित नहीं रही। दिवाली की रात फिल्मों के कथानक में कई ऐसे मोड़ आए जिनका अपना अलग भावनात्मक महत्व रहा है। आज भी यही परंपरा जारी है। यशराज, राजश्री जैसे बैनर्स की ज्यादातर फिल्मों में दिवाली जरूर मनाई जाती रही है। फिल्मी कथानकों में दिवाली का त्योहार कुछ अलग है। होली या जन्माष्टमी के प्रसंग फिल्मों में धूम, मस्ती और कहानी में मोड़ का कारण बनते हैं, पर दिवाली कहानी का हिस्सा होते हुए, कई फिल्मों में प्रतीकात्मक और भावनात्मक अर्थ रखता है। रोमांटिक व पारिवारिक फिल्मों में त्योहार के दृश्य परिवार, भारतीय परंपरा और भावनात्मक पुनर्मिलन के प्रतीक रहे हैं। दिवाली के दृश्यों वाली और उस थीम को दर्शाने वाली कई यादगार फिल्में हिंदी सिनेमा के उस इतिहास में दर्ज हैं, जो ब्लैक एंड व्हाइट से आजतक फैला हुआ है।

इस त्योहार को प्रतीकात्मकता और बदलते दृष्टिकोण के रूप में भी देखा गया। यही वजह है कि दिवाली के दृश्य कई बार घर वापसी, एकजुटता, नई शुरूआत और पारिवारिक मूल्यों के प्रतीक बने। नई फिल्मों में जहां भव्यता, पटाखों और भव्य सेट्स की भरमार दिखती है, वहीं तारे जमीं पर जैसी कुछ फिल्में दिवाली के इमोशनल या सामाजिक पहलुओं को भी उजागर करती हैं। ऐसे में जंजीर का प्रसंग अलग ही है, जिसमें नायक अमिताभ बच्चन बचपन में दिवाली के धमाकों के बीच अपने माता-पिता की हत्या होते देख लेता है और पूरी फिल्म में खलनायक को खोजता है। दरअसल, फिल्मी कथानकों में दिवाली को न केवल जश्न, बल्कि भावनाओं, मेल-मिलाप और पारिवारिक रिश्तों के गहरे प्रतीकों के साथ चित्रित किया गया। इस कारण यह त्योहार फिल्मों में भारतीय जीवनशैली और संवेदनाओं का अभिन्न हिस्सा बना। 2001 की फिल्म कभी खुशी कभी गम में दिवाली पूजन, घर की सजावट, पारिवारिक पुनर्मिलन दशार्या गया जिसमें जया बच्चन अपने बेटे शाहरुख के लौटने का इंतजार बेहद भावुक तरीके से करती दिखाई देती हैं। यह दृश्य परिवार के पुनर्मिलन एवं भारतीय भावनाओं को दशार्ने वाली दिवाली के प्रतीक से जोड़ता है। इसी तरह यश चोपड़ा की फिल्म मोहब्बतें में दिवाली के मौके पर जोड़ों में बंधन है गीत सुनाई देता है, जो पारिवारिक रिश्तों, रोशनी और उल्लास के उत्सव का अहसास कराता है। जबकि, वास्तव में संजय दत्त दिवाली पर परिवार से जिस तरह मिलते हैं, वह सामाजिक-आर्थिक संघर्ष के बीच उत्सव की गर्माहट का प्रतीक हैं। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (1995) ऐसी फिल्म रही, जो दिवाली पर रिलीज होकर सबसे ज्यादा सफल फिल्मों में गिनी जाती है और आज भी दिवाली के अवसर पर बॉक्स ऑफिस की मिसाल मानी जाती है। दिवाली पर फिल्मी गीत, घर-आंगन की साज-सज्जा, पूजा, पारिवारिक समागम और सामाजिक समरसता फिल्मों में भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। यही वजह है कि फिल्मों में हमेशा से दिवाली को बहुत खास और रंगीन अंदाज में दिखाया गया। क्योंकि, ये ऐसा त्योहार है जो हमेशा ही पारिवारिक मेलजोल, खुशी, भावनात्मक पुनर्मिलन और रोशनी के प्रतीकों के साथ प्रस्तुत किया जाता रहा है।

जस्टिन ट्रूडो और कैटी पेरी की यॉट पर किस करती तस्वीरें वायरल, रिलेशनशिप का खुलासा!

लंदन में एक लाइव परफॉर्मेंस के दौरान कैटी पेरी की हालिया टिप्पणियों ने उनके रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर चर्चा छेड़ दी है। कुछ तस्वीरें ऑनलाइन सामने आईं जिनमें उन्हें कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ सांता बारबरा तट पर एक यॉट पर दिखाया गया था। इसके तुरंत बाद, पेरी ने लंदन के ड2 एरिना में परफॉर्म किया, जहाँ एक प्रशंसक के प्रपोजल पर उनके मंच पर दिए गए जवाब ने ध्यान खींचा और उनके रिलेशनशिप स्टेटस पर सवाल खड़े कर दिए। कॉन्सर्ट के दौरान, एक प्रशंसक ने पेरी को स्टेज पर प्रपोज किया। उन्होंने जवाब दिया, "काश आपने मुझसे 48 घंटे पहले पूछा होता।" मीडिया रिपोर्ट्स और ट्रूडो के साथ तस्वीरें वायरल होने के तुरंत बाद इस टिप्पणी के समय ने कई लोगों को यह अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया कि क्या वह अपनी निजी ज़िंदगी का ज़िक्र कर रही थीं। पेरी या ट्रूडो की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कुछ दिन पहले, इस जोड़े को कैलिफोर्निया के सांता बारबरा में कैटी पेरी की यॉट पर किस करते हुए देखा गया था, जिससे महीनों से चली आ रही डेटिंग की अफवाहों पर विराम लग गया। वायरल तस्वीरों में वे दोनों एक साथ एक सुकून भरी दोपहर का आनंद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि पहले ऐसी खबरें आई थीं कि मॉन्ट्रियल में डिनर डेट के बाद ट्रूडो मीडिया की नजरों से असहज थे। दोनों का नाम पहली बार जुलाई में मॉन्ट्रियल में एक डिनर डेट पर देखे जाने के बाद जुड़ा था। हाल ही में सांता बारबरा की एक यात्रा के बाद उनकी डेटिंग की अफवाहों को और बल मिला, जहाँ गायिका और राजनेता एक यॉट पर किस करते हुए देखे गए थे। अब एक सूत्र ने खुलासा किया है कि जस्टिन ट्रूडो तब से ही उनके पीछे पड़े हुए थे। अब, ताजा अपडेट्स से पता चलता है कि ट्रूडो ने पॉप आइकन के साथ रहने की अपनी लंबी इच्छा जाहिर की है। सूत्र ने कैटी के साथ रिश्ते को बेहतर बनाने के उनके प्रयासों के बारे में बात की। सूत्र ने आगे कहा, "वह टूर ब्रेक के दौरान उनसे मिलने कैलिफोर्निया भी गए थे। उनके बीच एक सहज संबंध है। वह उन्हें आकर्षक पाती हैं। वह बहुत सम्मानजनक रहे हैं।" कैलिफोर्निया के सांता बारबरा में गायिका की निजी नौका पर कैटी और ट्रूडो को एक भावुक चुंबन साझा करते हुए तस्वीरें ली गईं। द डेली मेल द्वारा प्राप्त तस्वीरों में कैटी काले रंग के स्विमसूट में, शर्टलेस ट्रूडो को गले लगाते और चूमते हुए दिखाई दे रही थीं, जो डेनिम जींस में दिख रहे थे। सोमवार, 13 अक्टूबर को, फायरवर्क गायिका ने एक ऑल-ब्लैक जंपसूट में अपनी कई ग्लैमरस तस्वीरें साझा कीं, जिसके साथ उन्होंने एक सिल्वर नेकलेस, खूबसूरत झुमके और काली हील्स पहनी थीं। एक स्लाइड में 'सेवा जानकारी' भी शामिल थी। "वृश्चिक सीजन आ रहा है... लेकिन सबसे पहले, लंदन में पहली रात का लाइफटाइम्स टूर! बेहद उत्साहित हूँ," उन्होंने कैप्शन में लिखा। सब कुछ कहने और करने के बाद भी, न तो कैटी पेरी और न ही जस्टिन ट्रूडो ने आधिकारिक तौर पर अपने रिश्ते की पुष्टि की है। हालाँकि, पूर्व मंत्री जुलाई के अंत में गायिका के लाइफटाइम्स टूर में शामिल हुए थे।

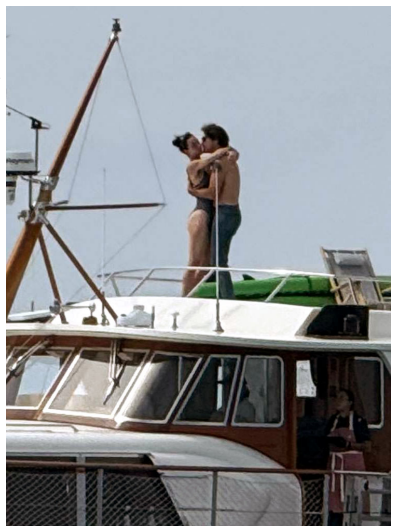

दंगल गर्ल जायरा वसीम ने किया निकाह, शादी की तस्वीरें हुईं वायरल, फैंस हैरान!

धार्मिक कारणों का हवाला देते हुए 2019 में बॉलीवुड छोड़ने वाली पूर्व दंगल अभिनेत्री जायरा वसीम ने शादी कर ली है। अभिनेत्री ने शुक्रवार शाम इंस्टाग्राम पर अपने निजी निकाह समारोह की तस्वीरें साझा करके अपने प्रशंसकों को चौंका दिया। जायरा ने समारोह की दो तस्वीरें साझा कीं, जिनमें इस गंभीर लेकिन शांत पल को खूबसूरती से कैद किया गया है। पहली तस्वीर में, वह अपने निकाहनामा, यानी विवाह अनुबंध पर हस्ताक्षर करती हुई दिखाई दे रही हैं, उनके हाथों पर जटिल मेहंदी के डिजाइन और एक खूबसूरत पन्ना जड़ित अंगूठी है। तस्वीर में उनके सुंदर हाव-भाव को दर्शाया गया है, जब वह दस्तावेज पर अपने हस्ताक्षर करती हैं, जो उनके जीवन के एक नए अध्याय की आधिकारिक शुरूआत का प्रतीक है।

जायरा वसीम ने शादी की तस्वीरें साझा की

जायरा द्वारा साझा की गई दो तस्वीरों में, सीक्रेट सुपरस्टार अभिनेत्री अपने निकाह के कागजात पर हस्ताक्षर करती और अपने पति के साथ चाँद को देखती हुई दिखाई दे रही थीं। हम उनकी अनामिका उंगली में बड़े हीरे को भी देख सकते थे। कैप्शन में, उन्होंने लिखा, "कुबूल है x3।" तस्वीरों पर एक नजर डालें:

जायरा वसीम के निकाह की तस्वीरों पर प्रशंसकों की क्या प्रतिक्रिया रही?

जायरा वसीम की शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। प्रशंसकों ने उनकी तस्वीरों पर प्यार बरसाते हुए लिखा, "अल्लाह के लिए सब कुछ छोड़ देना एक दुर्लभ शक्ति है, और आपने इसे खूबसूरती से दिखाया है। आपका सफर मुझे हर दिन प्रेरित करता है। यह नया अध्याय आपको शांति, आनंद और हर वो आशीर्वाद दे जिसकी आप हकदार हैं, रानी, आप अद्भुत हैं", "अल्लाह आपके निकाह को प्यार, शांति और अनंत बरकत से नवाजे", "आपकी शादी मुबारक हो!", "उसने जो किया, जो छोड़ा और जो अपनाया वह अमूल्य है", और अन्य।

जायरा वसीम ने अभिनय क्यों छोड़ा?

जायरा वसीम का बॉलीवुड सफर छोटा लेकिन प्रभावशाली रहा। आमिर खान की फिल्म दंगल में युवा गीता फोगट की भूमिका ने उन्हें लगभग रातोंरात घर-घर में मशहूर कर दिया। इस भूमिका के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला। अगले वर्ष, 2017 में, उन्होंने आमिर खान की फिल्म सीक्रेट सुपरस्टार में अभिनय किया। उनकी आखिरी स्क्रीन उपस्थिति प्रियंका चोपड़ा और फरहान अख्तर के साथ द स्काई इज पिंक (2019) में आई थी। फिर, जून 2019 में, अपने करियर के चरम पर, जायरा ने अपनी धार्मिक मान्यताओं का हवाला देते हुए, अभिनय से दूरी बनाने की घोषणा करके सभी को चौंका दिया। उनके छह पन्नों के इंस्टाग्राम नोट में लिखा था: "मैं यह स्वीकार करना चाहती हूँ कि मैं अपनी पहचान, यानी अपने काम से पूरी तरह खुश नहीं हूँ। बहुत लंबे समय से, मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं किसी और की तरह बनने के लिए संघर्ष कर रही हूँ।" बाद में प्रसिद्धि के साथ अपने रिश्ते पर विचार करते हुए, उन्होंने आगे कहा, "हालाँकि मैं विनम्रतापूर्वक उन सभी प्यार को स्वीकार करती हूँ जो लोग मुझ पर बरसाते हैं, मैं इस बात पर जोर नहीं दे सकती कि मुझे मिलने वाली प्रशंसा मेरे लिए बिल्कुल भी संतोषजनक नहीं है और यह मेरे लिए कितनी बड़ी परीक्षा है और मेरे ईमान के लिए कितनी खतरनाक है।" जायरा वसीम, अपनी घोषणा के बाद से, ज्यादातर लोगों की नजरों से दूर रही हैं।

हॉलीवुड को लगा बड़ा झटका! डायने कीटन का निधन, परिवार ने खोली मौत की असली वजह

R.I.P

डायने कीटन के परिवार ने अभिनेत्री की मृत्यु के कारण का खुलासा किया है। पीपल पत्रिका के अनुसार, 'एनी हॉल' स्टार का 11 अक्टूबर को निमोनिया के कारण निधन हो गया। पीपल पत्रिका को दिए एक विशेष बयान में, ऑस्कर विजेता अभिनेत्री के परिवार ने पुष्टि की कि 11 अक्टूबर को निमोनिया के कारण उनकी मृत्यु हो गई और उनके प्रति उमड़े समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। कीटन के परिवार ने पीपल पत्रिका को दिए एक बयान में यह खबर साझा की और कहा कि वे हाल के दिनों में मिले व्यापक समर्थन संदेशों के लिए आभारी हैं। उनके परिवार ने कहा, "कीटन परिवार अपनी प्यारी डायने, जिनका 11 अक्टूबर को निमोनिया से निधन हो गया था, की ओर से पिछले कुछ दिनों में मिले प्यार और समर्थन के असाधारण संदेशों के लिए बहुत आभारी है।" कीटन का जन्म 1946 में लॉस एंजिल्स में हुआ था और वे पर्दे पर अपनी ईमानदारी और मौलिकता के लिए जानी जाती थीं। उन्हें 'द फर्स्ट वाइव्स क्लब', 'समथिंग्स गॉट्टा गिव' और 'बेबी बूम' जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए सराहा गया। कई लोगों ने उनकी स्वतंत्रता और प्रामाणिकता की प्रशंसा की, जिनके गुणों ने वर्षों से दर्शकों को प्रेरित किया है। उनकी करुणा को याद करते हुए, कीटन के परिवार ने पशु कल्याण और बेघर समुदाय के समर्थन के प्रति उनके समर्पण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, "वह अपने जानवरों से बहुत प्यार करती थीं और बेघर समुदाय के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता थी, इसलिए उनकी स्मृति में किसी स्थानीय खाद्य बैंक या पशु आश्रय में किया गया कोई भी दान उनके लिए एक अद्भुत और अत्यंत सराहनीय श्रद्धांजलि होगी।"

हॉलीवुड का पावर कपल अलग! टॉम क्रूज और एना डे अर्मास का 9 महीने में टूटा रिश्ता, शादी की अफवाहों को लगा झटका

हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज और अभिनेत्री एना डे अर्मास ने कथित तौर पर नौ महीने से भी कम समय साथ रहने के बाद अपने रिश्ते को खत्म कर दिया है। खबरों के अनुसार, फरवरी में पहली बार रोमांटिक रूप से जुड़े इस जोड़े ने यह महसूस करने के बाद कि "उनका प्यार खत्म हो गया है" सौहार्दपूर्ण ढंग से अलग होने का फैसला किया। इस जोड़े के एक करीबी सूत्र ने द सन को बताया, "टॉम और एना ने साथ में अच्छा समय बिताया, लेकिन एक जोड़े के रूप में उनका समय अब बीत चुका है। वे अच्छे दोस्त बने रहेंगे, लेकिन अब वे डेटिंग नहीं कर रहे हैं। उन्हें बस एहसास हुआ कि वे ज्यादा समय तक साथ नहीं रह पाएँगे और उनके लिए साथी के रूप में रहना बेहतर है।" यह खबर प्रशंसकों के लिए एक आश्चर्य की बात है, खासकर जब से संभावित शादी की अफवाहें उड़ रही थीं। दोनों कथित तौर पर एक साथ एक फिल्म में अभिनय करने की तैयारी भी कर रहे थे। हालाँकि, ब्रेकअप के बावजूद, दोनों सितारे समझदारी से चीजों को संभाल रहे हैं।

हल्की सी चोट से भी हो सकता है फ्रैक्चर हड्डियों को खोखला बना देती है ये बीमारी

आपने भी अपने आसपास लोगों को हड्डियों में दर्द, जोड़ों में सूजन की समस्या से परेशान जरूर देखा होगा। ये दिक्कत तेजी से बढ़ती जा रही है। वैसे तो कभी जोड़ों में दर्द को सिर्फ बुजुर्गों की दिक्कत मानी जाती थी हालांकि अब 30 साल से कम उम्र के लोगों को भी ये समस्या परेशान करने लगी है। जो बीमारी अब तक उम्र बढ़ने के साथ आती थी वह अब युवाओं को अपना शिकार बना रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खराब दिनचर्या, तनाव, असंतुलित खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता ने हमारी पूरी सेहत को प्रभावित कर दिया है। हड्डियों पर भी इसका असर देखा जा रहा है। आंकड़ों से पता चलता है कि भारत की लगभग 15 से 20% जनसंख्या यानी करीब लगभग 18 करोड़ लोग आर्थराइटिस गठिया रोग से पीड़ित हैं। समय के साथ ये खतरा और भी बढ़ता जा रहा है। ऑस्टियोआर्थराइटिस, रूमेटॉयड आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस जैसे रोग आम होते जा रहे हैं। इससे जोड़ों में सूजन, दर्द और चलने-फिरने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

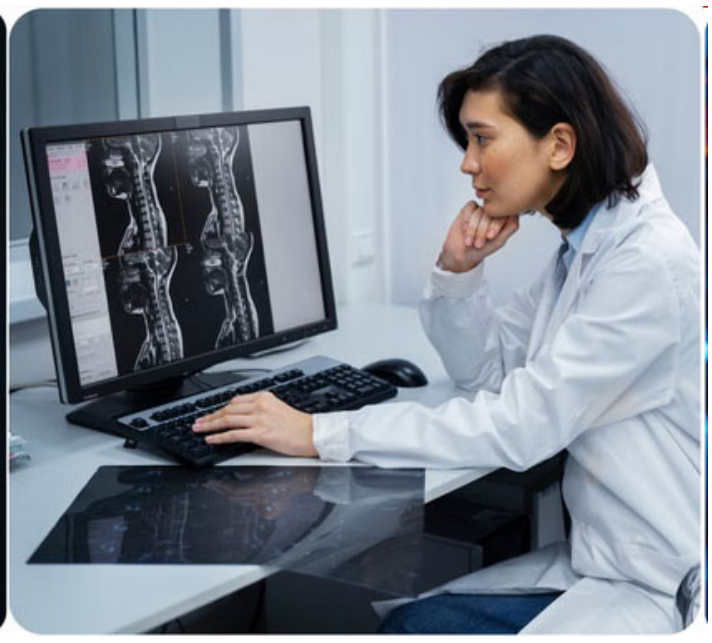

ऑस्टियोपोरोसिस और इसका बढ़ता खतरा

हड्डियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने और इसकी मजबूती बढ़ाने के उपायों के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 20 अक्तूबर को विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है- इट्स अनएक्सपेक्टेड यानी 'यह अस्वीकार्य है', जो इस बात पर जोर देती है कि एक ऐसी बीमारी जिससे आसानी से बचा जा सकता है, फिर भी कई लोगों की जीवन गुणवत्ता इसके कारण बिगड़ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि अगर शुरूआत में ही इसपर ध्यान दे दिया जाए तो स्थिति को नियंत्रण में लाया जा सकता है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, सूरज की रोशनी और हड्डियों और जोड़ों को लंबे समय तक स्वस्थ रख सकती है।

अब सवाल ये है कि आखिर ऑस्टियोपोरोसिस क्या है?

ऑस्टियोपोरोसिस हड्डियों की कमजोरी की गंभीर स्थिति है, इसमें बोन डेंसिटी यानी हड्डियों का घनत्व कम हो जाता है, जिससे वे कमजोर और भुरभुरी हो जाती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस आपकी हड्डियों को चुपचाप कमजोर कर देता है, जिससे छोटे से चोट पर भी इसके टूटने की आशंका बढ़ जाती है। यह मुख्य रूप से बुजुर्गों और रजोनिवृत्ति के बाद की महिलाओं में देखा जाता है, लेकिन अब युवाओं में भी यह तेजी से बढ़ रहा है। इस बीमारी की गंभीर स्थिति में हल्के से ठोकर, खांसने-छींकने के कारण भी फ्रैक्चर होने का खतरा हो सकता है। डॉक्टर बताते हैं, हड्डियां ऐसे ऊतकों से बनी होती हैं जो लगातार टूटती और बनती रहती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या में हड्डियों की कोशिकाओं में क्षति तो होती है लेकिन नए सिरे से इसका निर्माण नहीं हो पाता है। इससे समय के साथ हड्डियों काफी खोखली और कमजोर हो जाती हैं। इसकी अगर शुरूआत में ही पहचान करके सुधार के उपाय कर लिए जाएं तो आप गंभीर दिक्कतों से बचे रह सकते हैं। पीठ या कमर में लगातार दर्द बना रहता है, झुक कर चलना पड़ता है या फिर बार-बार हड्डियों में फ्रैक्चर हो रहा है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करके इसकी जांच करा लें। कैल्शियम और विटामिन-डी से भरपूर आहार, डॉक्टर द्वारा सुझाए गए व्यायाम और कुछ दवाओं की मदद से समस्या को बढ़ने से रोकने में मदद मिल सकती है। ऑस्टियोपोरोसिस का सबसे आम लक्षण अचानक हड्डियों का टूटना है, खासकर किसी छोटी सी चोट या मामूली दुर्घटना जिससे आमतौर पर कोई नुकसान नहीं होता, उससे भी आपकी हड्डियों में फ्रैक्चर हो सकता है। ऑस्टियोपोरोसिस वैसे तो सीधे तौर पर कोई लक्षण पैदा नहीं करता, फिर भी आप अपने शरीर में कुछ बदलाव देख सकते हैं जिनका मतलब हो सकता है कि आपकी हड्डियों की ताकत या घनत्व कम हो रहा है।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव कैसे करें?

यह बीमारी नियंत्रित की जा सकती है, पर पूरी तरह खत्म नहीं होती। सही उपचार से जीवन सामान्य रखा जा सकता है। ऑस्टियोपोरोसिस का सबसे अच्छा बचाव या इलाज जीवनशैली में बदलाव जैसे पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम और विटामिन डी का सेवन, नियमित रूप से व्यायाम, धूम्रपान और शराब से परहेज करना है। ऑस्टियोपोरोसिस का आनुवंशिक जोखिम भी होता है, इसलिए अगर आपके परिवार में पहले से किसी को ये दिक्कत रही है तो इस बारे में पहले से डॉक्टर से मिलकर सुझाव ले लें।

त्योहार के उत्साह में दिल की सेहत को न करें अनदेखा, डॉक्टर ने दिए हृदय रोगियों के लिए जरूरी टिप्स

रोशनी, उमंग और उत्साह के त्योहार दिवाली का हम सभी को पूरे साल इंतजार रहता है, अब ये इंतजार पूर्ण हुआ। पूरे देश में दिवाली की धूम शुरू हो गई है। दिवाली में हर घर दीपों से जगमगाता है, लोग अपनों के साथ खुशियां बांटते हैं, स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हैं और खूब जश्न मनाते हैं। यकीनन आप भी त्योहारे के इस धूम में खूब आनंद ले रहे होंगे। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दिवाली की खुशियों के बीच अपनी सेहत को लेकर लापरवाही बिल्कुल नहीं बरतनी चाहिए। विशेषतौर पर त्योहारों का ये समय डायबिटीज और हृदय रोगियों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। दिवाली के दौरान बदलती दिनचर्या, असंतुलित खानपान, नींद की कमी और बढ़ा हुआ प्रदूषण दिल की सेहत के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाला हो सकता है। अगर आप या आपके घर में कोई भी हृदय की समस्याओं से परेशान है तो कुछ बातों पर विशेष ध्यान देना जरूरी हो जाता है ताकि आप त्योहार और उत्सव का पूरा-पूरा आनंद ले सकें। याद रहे दिवाली का असली आनंद तभी है जब आप स्वस्थ हों।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

अमर उजाला से बातचीत में पुणे स्थित एक अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ अभिषेक मेहता कहते हैं, दिवाली में अक्सर लोगों की दिनचर्या बिगड़ जाती है, खान-पान अनियमित और गड़बड़ हो जाता है, समय पर दवा लेना भूल जाते हैं और देर रात तक जागते हैं, ये सभी स्थितियां हृदय पर दबाव बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

पटाखों से निकलने वाले सूक्ष्म कण और गैस हृदय की धमनियों को सिकोड़ देती हैं, जिससे ब्लड फ्लो प्रभावित होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा हो सकता है।

इसके अलावा ज्यादा मीठा व तला खाना और हवा में बढ़ता धुआं-प्रदूषण ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं को बढ़ाने वाला हो सकता है।

यह स्थितियां उन लोगों के लिए खतरनाक हो सकती हैं जो पहले से हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर या डायबिटीज जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं।

दिवाली के दौरान रखें हृदय स्वास्थ्य का ध्यान

डॉक्टर कहते हैं, दिवाली का पूरा आनंद लेने के लिए अपने दिल की सेहत को प्राथमिकता दें। दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव और कुछ बातों का ध्यान रखकर आप सेहत की चिंता किए बिना त्योहारों का आनंद ले सकते हैं। इस दौरान खानपान, नींद और प्रदूषण को लेकर सावधानी बरतना सबसे जरूरी है। सबसे पहले अपनी दवाइयां नियमित रूप से लें, चाहे कितनी भी व्यस्तता क्यों न हो। भोजन हल्का और पौष्टिक रखें, कोशिश करें कि मीठे और तले खाद्य पदार्थ कम से कम खाएं। आहार में ताजे फल, हरी सब्जियां और फाइबर युक्त भोजन जरूर होने चाहिए। इसके अलाव पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे और रक्त संचार में कोई दिक्कत न आने पाए।

दिल को सेहतमंद रखने के लिए क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं, दिवाली उत्सव के दौरान दिल की सेहत को ठीक रखने लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

आपका भोजन पौष्टिक और संतुलित होना चाहिए। ताजे फल, हरी सब्जियां, दलिया, सूप और सलाद को थाली का हिस्सा बनाएं।

ज्यादा तेल, नमक और चीनी वाले भोजन से बचें। इससे दिल की सेहत बिगड़ सकती है।

त्योहारों में कम से कम 7-8 घंटे की नींद जरूर लें, इससे हार्ट पर दवाब कम होता है और शरीर को आराम मिलता है।

शरीर हाइड्रेटेड रहने से ब्लड सकुर्लेशन बेहतर होता है, इसलिए खूब पानी पीते रहें। हल्की वॉक या थोड़ी देर योग-व्यायाम करने से ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट नियंत्रित रहता है। पटाखों का धुआं हृदय रोगियों के लिए हानिकारक है, बाहर निकलते समय मास्क जरूर पहनें।

धनतेरस पर खरीदें ऐसी चांदी की सुंदर पायल जो दिखेंगी महंगी लेकिन हैं बेहद बजट फ्रेंडली!

धनतेरस का पर्व न केवल धन और स्वास्थ्य की कामना का दिन होता है, बल्कि ये घर की लक्ष्मी यानी आपकी मां, बहन, पत्नी या बेटी को सम्मान और प्रेम देने का भी खास मौका होता है। परंपरा के अनुसार इस दिन कुछ न कुछ नया खरीदना शुभ माना जाता है, और ऐसे में अगर आप अपनी घर की लक्ष्मी के लिए एक खूबसूरत लेटेस्ट डिजाइन की पायल खरीदेंगे, तो ये उन्हें खुश करने के साथ-साथ सौभाग्य भी ला सकती है। आजकल बाजार में पायल के इतने ट्रेंडी और स्टाइलिश डिजाइन्स उपलब्ध हैं जो ट्रेडिशनल और मॉडर्न दोनों लुक के साथ अच्छे लगते हैं। चांदी की बारीक नक्काशी वाली पायल से लेकर बीड्स और कुंदन वर्क वाली फैंसी पायल तक, हर मौके और बजट के लिए कुछ न कुछ मौजूद है।

पहली डिजाइन

यदि कुछ ठोस खरीदने का सोच रहे हैं तो ऐसी कड़े वाली पायल आप खरीद सकते हैं। ऐसे पायल देखने में तो कड़े के जैसी होती है, लेकिन इन्हें पैरों में पहना जाता है। ऐसे में आप इन्हें खरीदकर अपने घर की किसी महिला को तोहफे में दे सकते हैं और वो त्योहार के मौके पर इसे पहनकर अपना खूबसूरत अंदाज दिखा सकती हैं।

दूसरी डिजाइन

कुछ पारंपरिक खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो ऐसी महीन डिजाइन वाली पायल भी आप खरीद सकते हैं। ऐसी पायल आपको बेहद आसानी से बाजार में मिल जाएगी। इस डिजाइन में घुंघरू को अवश्य लगवाएं, क्योंकि घुंघरू से ही इसका लुक और खूबसूरत दिखेगा।

तीसरी डिजाइन

मोर वाली ऐसी डिजाइन देखने में बेहद खूबसूरत लगती है। ये हो सकता है आपको थोड़ी महंगी पड़ जाए। लेकिन अगर आप चाहें तो इसे कम दाम में भी बनवा सकते हैं। पायल लेने जा रहे हैं तो इस डिजाइन को सेव करके अपने साथ अवश्य ही ले जाएं।

चौथी डिजाइन

अगर आपके घर में कोई वर्किंग महिला है, जो घुंघरू वाली पायल नहीं पहन सकती, तो उन्हें इस तरह की डिजाइन तोहफे में दें। ऐसी पायल काफी सस्ती बन जाती हैं। इनमें आप शो वाले घुंघरू लगवा सकते हैं, जो बजते नहीं हैं। ताकि उन्हें पहनने में कोई परेशानी न हो।

पांचवी डिजाइन

अपने घर की बेटी या छोटी बहन को पायल देनी है तो ऐसी इविल आई वाली पायल भी एक अच्छा विकल्प है। ये डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड में भी है। इसलिए बिना सोचे पायल की ऐसी डिजाइन धनतेरस के मौके पर खरीदें और अपनी घर की लक्ष्मी को प्रसन्न करें।

तीरंदाजी में ज्योति सुरेखा ने इतिहास रचा, विश्वकप फाइनल में भारत की पहली महिला कांस्य पदक विजेता बनीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाज ज्योति

सुरेखा वेन्नम ने शनिवार को चीन के नानजिंग में विश्व कप फाइनल में इतिहास रचते हुए कांस्य पदक जीता। यह उपलब्धि उन्हें भारत की पहली महिला कंपाउंड आर्चरी विश्व कप फाइनल पदक विजेता बनाती है। एशियाई खेलों की चैंपियन ज्योति ने ब्रिटेन की विश्व रैंकिंग नंबर दो खिलाड़ी एला गिब्सन के खिलाफ 15 परफेक्ट तीरों के साथ शानदार प्रदर्शन किया और 150-145 से जीत हासिल की।

क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल का सफर

ज्योति ने आठ-आर्चर विश्व कप फाइनल में क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की एलेक्सिस रूइज को 143-140 से हराकर आत्मविश्वास से शुरूआत की। सेमीफाइनल में उन्हें मेक्सिको की विश्व नंबर 1 एंड्रिया बेसेरा से 143-145 की करीबी हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद ज्योति ने कहा, 'तीसरे एंड के बाद मैं एक अंक से आगे थी (87-86), लेकिन एंड्रिया ने चौथे एंड में तीन 10२ मारे और पांचवें एंड में 29-28 से मुझे पछाड़ दिया।' हालांकि, सेमीफाइनल में हार के बाद भी ज्योति ने संयम और मानसिक मजबूती दिखाई।

कांस्य पदक मैच में धमाकेदार वापसी

ज्योति ने कांस्य पदक मुकाबले में शानदार वापसी की और पांच एंड में लगातार 15 10२ शूट कर एला गिब्सन को 150-145 से हराकर अपनी पहली विश्व कप फाइनल पोडियम फिनिश सुनिश्चित की। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत खास पल है। विश्व कप फाइनल में कांस्य जीतना मेरे करियर का अब तक का सबसे यादगार अनुभव है।' ज्योति की यह विश्व कप फाइनल में तीसरी उपस्थिति थी। उन्होंने इससे पहले 2022 के Tlaxcala और 2023 के हर्मोसिल्लो संस्करणों में भाग लिया था, लेकिन दोनों बार शुरूआती दौर में बाहर हो गई थीं।

भारतीय टीम के अन्य प्रदर्शन

महिला कंपाउंड श्रेणी में भारत की मधुरा धमांगांवकर ने पहले दौर में 142-145 से मेक्सिको की मरियाना बर्नाल से हारकर बाहर हो गई। पुरुष कंपाउंड श्रेणी में ऋषभ यादव भारत के एकमात्र प्रतिभागी हैं और उनका मुकाबला दक्षिण कोरिया के किम जोंघो से आज होगा। रिकर्व श्रेणी में कोई भी भारतीय खिलाड़ी क्वालीफाई नहीं कर पाया।

फीफा रैंकिंग में भारत पुरुष फुटबॉल टीम का नौ साल का निचला स्तर, सिंगापुर से मैच के बाद आया बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम शुक्रवार को FIFA रैंकिंग में 136वें स्थान

पर आ गई, जो पिछले नौ वर्षों में सबसे निचला स्तर है। यह गिरावट सिंगापुर के खिलाफ ड्रॉ और हार के बाद हुई, जिससे टीम की 2027 एशियाई कप क्वालिफिकेशन की उम्मीदें भी धूमिल हो गईं। भारत की टीम दो स्थान नीचे गिरकर 136वें स्थान पर आ गई, जो कुवैत से एक स्थान नीचे और बोत्सवाना से एक स्थान ऊपर है। इससे पहले भारतीय टीम की सबसे खराब रैंकिंग नवंबर 2016 और अक्टूबर 2016 में 137वीं थी। वहीं, भारत की अब तक की सर्वोच्च रैंकिंग 94वीं थी, जो फरवरी 1996 में हासिल की गई थी।

सिंगापुर के खिलाफ प्रदर्शन

एशियाई कप क्वालिफाइंग के तीसरे राउंड में भारत ने सिंगापुर के साथ आउटडोर मैच में 1-1 ड्रॉ खेला। इसके बाद 14 अक्तूबर को मार्गाओ में होम-लेग मैच में 1-2 की हार के साथ टीम को और नुकसान उठाना पड़ा। इस हार ने भारत की एशियाई कप 2027 के लिए क्वालिफाई करने की राह लगभग बंद कर दी। टीम के सामने अब कड़ी मेहनत और सुधार का चुनौतीपूर्ण रास्ता है।

भविष्य की चुनौती

इस गिरावट के बाद भारत की टीम के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती है खिलाड़ियों का मनोबल बनाए रखना और रणनीति सुधारना। टीम को आगामी अंतरराष्ट्रीय मैचों और टूर्नामेंट में सकारात्मक प्रदर्शन के लिए तैयारी करनी होगी ताकि रैंकिंग में सुधार हो सके और 2027 एशियाई कप में फिर से क्वालिफाई किया जा सके। इस गिरावट ने साफ कर दिया है कि एशियाई कप और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए टीम को तुरंत मजबूत और संगठित प्रदर्शन की आवश्यकता है।

कनाडा की लैला फर्नांडीज जापान ओपन के फाइनल में पहुंचीं, सोराना सिर्सिया को मात दी

एजेंसी

नई दिल्ली। कनाडा की लैला फर्नांडीज ने कुछ मुश्किल पलों से गुजरने के बाद

शनिवार को 35 वर्षीय सोराना सिर्सिया को 6-1, 2-6, 6-4 से हरा कर जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। फर्नांडीज ने निर्णायक सेट में 4-4 के स्कोर पर सोराना की सर्विस तोड़ी और फिर अगले गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। चौथी वरीयता प्राप्त कनाडाई खिलाड़ी का फाइनल में मुकाबला 18 वर्षीय क्वालिफायर टेरेजा वैलेंटोवा से होगा। वैलेंटोवा ने दूसरे सेमीफाइनल में जैकलीन क्रिस्टियन को 6-7(3), 6-4, 6-3 से हराया। फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

इस दिवाली अपनों को उपहार में दीजिए फास्टैग वार्षिक पास: एनएचएआई

वार्षिक पास एक साल के लिए वैध है और इस दौरान 200 टोल प्लाजा पार किया जा सकता है। इसके लिए 3,000 रुपये का एकमुश्त शुल्क भुगतान करना होगा और फास्टैग को बार-

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली एनएचएआई ने शनिवार को कहा कि फास्टैग वार्षिक पास अब राजमार्गयात्रा ऐप के जरिए किसी को भी उपहार में दिया जा सकता है। इसके लिए ऐप पर पास जोड़ें विकल्प पर क्लिक करते उस व्यक्ति का वाहन नंबर और संपर्क विवरण जोड़ना होगा, जिसे वे फास्टैग वार्षिक पास उपहार में देना चाहते हैं। एनएचएआई ने एक बयान में कहा कि ओटीपी सत्यापन के बाद उस वाहन से जुड़े फास्टैग पर वार्षिक पास सक्रिय हो जाएगा।

फास्टैग वार्षिक पास राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकताओं को एक सुविधाजनक और किफायती यात्रा विकल्प देता है और यह भारत में लगभग 1,150 टोल प्लाजा पर लागू है। वार्षिक पास एक साल के लिए वैध है और इस दौरान 200 टोल प्लाजा पार किया जा सकता है। इसके लिए 3,000 रुपये का एकमुश्त शुल्क भुगतान करना होगा और फास्टैग को बार-बार रिचार्ज करने की जरूरत नहीं होगी। यह पास वैध फास्टैग वाले सभी गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए लागू है। राजमार्गयात्रा ऐप के माध्यम से एकमुश्त शुल्क का भुगतान करने के बाद, वाहन से जुड़े मौजूदा फास्टैग पर वार्षिक पास दो घंटे के भीतर सक्रिय हो जाता है।

तन्वी शर्मा जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचीं, चीनी खिलाड़ी को हराया

एजेंसी

गुवाहाटी। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा ने बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन जारी रखा। तन्वी ने चीन की लियू सी या के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की की। 16 साल की तन्वी ने अपनी प्रतिद्वंद्वी पर 15-11, 15-9 से जीत दर्ज की। वह इस तरह इस टूनामेंट के फाइनल में क्वालिफाई करने वाली पूर्व विश्व नंबर एक साइना नेहवाल और अपर्णा पोपट के बाद केवल तीसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं।

फाइनल में पिचिटप्रीचसाक से होगा सामना

फाइनल में तन्वी का मुकाबला अब थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त अन्यापत पिचिटप्रीचसाक से होगा। पिचिटप्रीचसाक ने दूसरे सेमीफाइनल में हमवतन यातावीमिन केतक्लियेंग को एक गेम से पिछड़ने के बाद 10-15, 15-11, 15-5 से हराकर वापसी की। तन्वी ने 17 साल में पहली बार विश्व जूनियर चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक सुनिश्चित किया था। सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने ली के खिलाफ शुरूआत से ही अपने शानदार खेल का लोहा मनवाया। उन्होंने कोर्ट के अगले हिस्से शानदार इस्तेमाल करते हुए चीन की खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। भारतीय खिलाड़ी ने शुरूआती गेम में 7-3 की बढ़त बना ली और हालांकि लियू एक समय पर अंतर को 8-7 तक कम करने में कामयाब रहीं, लेकिन तन्वी पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ा।

तन्वी ने पहला गेम केवल 13 मिनट में समाप्त कर दिया। उन्होंने दूसरे सेट में तेजी से 12-4 की बढ़त ली लेकिन चीन की खिलाड़ी ने लगातार अंक जुटाते हुए वापसी की कोशिश की। तन्वी ने हालांकि उनकी कोशिश को नाकाम करते हुए प्रभावशाली जीत दर्ज की। इससे पहले पुरुषों के एकल में इंडोनेशिया के मोहम्मद जाकी उबैदुल्लाह ने चीन के ली ची हैंग को 14-16, 16-14, 15-12 से हराया।

वित्त मंत्री का दावा: जीएसटी कटौती का बंपर लाभ, उपभोक्ताओं को उम्मीद से अधिक बचत

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँच रहा है और कुछ वस्तुओं की कीमतों में उम्मीद से ज्यादा गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि सरकार 54 उत्पादों की कीमतों पर कड़ी नजर रख रही है ताकि संशोधित कर ढांचे का लाभ आम आदमी तक पहुँच सके। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 18 अक्टूबर को धनतेरस के शुभ दिन वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ जीएसटी बचत उत्सव प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, "कर में अपेक्षा से अधिक कमी हुई है और उपभोक्ताओं को उम्मीद के मुताबिक लाभ मिला है, कुछ तो उससे भी अधिक।" वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ मामलों में, व्यवसायों ने जीएसटी दरों में अपेक्षा से कहीं अधिक कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को दिया। वित्त मंत्री ने कहा, "नवरात्रि के पहले दिन इसे लॉन्च किया गया था और मुझे लगता है कि भारत के लोगों ने इसे अच्छी तरह से स्वीकार किया है।" उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने 54 आवश्यक वस्तुओं पर कड़ी नजर रखी है और पाया है कि उनमें से प्रत्येक में कर लाभ उपभोक्ताओं को दिया गया है। उन्होंने कहा कि सितंबर के आखिरी नौ दिनों में ही खरीदारी में उछाल देखा गया, जिसमें यात्री वाहनों की बिक्री 3.72 लाख यूनिट तक पहुँच गई, दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.60 लाख यूनिट तक पहुँच गई, और तिपहिया वाहनों की बिक्री में साल-दर-साल 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दरों को युक्तिसंगत बनाने के प्रभाव पर जोर देते हुए, सीतारमण ने कहा कि टेलीविजन सेटों की बिक्री में 30-35 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एयर कंडीशनर (एसी) की बिक्री पहले दिन दोगुनी हो गई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इन सुधारों पर लंबे समय से काम चल रहा था। उन्होंने कहा, "वित्त मंत्री द्वारा 3 सितंबर को जीएसटी सुधार की घोषणा, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में लगभग सवा साल से चल रही थी। मैं इस वर्ष के नवरात्रि को इतना खास बनाने के लिए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री का आभार व्यक्त करता हूँ। 22 सितंबर को नया रूप लागू किया गया।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष पर ट्रंप का अहम बयान

कहा- मुझे युद्ध सुलझाना पसंद है

डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव में मध्यस्थता की पेशकश की है, यह दावा करते हुए कि उन्हें युद्ध सुलझाना पसंद है और उन्होंने आठ संघर्ष पहले ही सुलझा लिए हैं। उन्होंने इसे अपना नौवाँ 'आसान' समाधान बताया, लेकिन अमेरिका को चलाने को प्राथमिकता दी, साथ ही नोबेल पुरस्कार न मिलने पर भी कटाक्ष किया। यह प्रस्ताव दोनों देशों के बीच हवाई हमलों और सीमा पर झड़पों से उपजे गंभीर हालात के बीच आया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) कहा कि उन्हें युद्ध सुलझाना पसंद है', लेकिन उन्होंने यह भी बताया कि काबुल पर हमला इस्लामाबाद ने ही किया था। 79 वर्षीय ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए यह बात कही। ट्रंप ने कहा कि अगर वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष सुलझा लेते हैं, तो यह नौवाँ युद्ध होगा जिसे वह सुलझाएँगे। हालाँकि ट्रंप ने कहा कि उनके लिए इस संघर्ष को सुलझाना आसान होगा, उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें पहले अमेरिका को चलाना होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैंने आठ युद्ध सुलझाए। रवांडा और कांगो जाइए, भारत और पाकिस्तान के बारे में बात कीजिए। उन सभी युद्धों को देखिए जिन्हें हमने सुलझाया, और हर बार जब मैंने सुलझाया, तो वे कहते हैं कि अगर तुम अगला सुलझाओगे, तो तुम्हें नोबेल पुरस्कार मिलेगा। मुझे नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। किसी और को मिला जो एक बहुत अच्छी महिला हैं। मुझे नहीं पता कि वह कौन हैं, लेकिन वह बहुत उदार थीं। मुझे इन सब बातों की परवाह नहीं है। मुझे बस जान बचाने की परवाह है। लेकिन यह नौवां होगा... तो, जहाँ तक मुझे पता है, हमारे पास ऐसा कोई राष्ट्रपति नहीं रहा जिसने एक भी युद्ध सुलझाया हो। एक भी युद्ध नहीं। बुश ने एक युद्ध शुरू किया था... लेकिन मैंने करोड़ों जानें बचाईं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने लाखों जानें बचाईं... उदाहरण के तौर पर पाकिस्तान और भारत को ही देख लीजिए। वह एक बुरा उदाहरण होता... हालाँकि मैं समझता हूँ कि पाकिस्तान ने हमला किया था, या अफगानिस्तान पर हमला हो रहा है। अगर मुझे इसे सुलझाना है, तो मेरे लिए यह आसान है। इस बीच, मुझे अमेरिका चलाना है, लेकिन मुझे युद्ध सुलझाना पसंद है। जानते हो क्यों? मुझे लोगों को मरने से रोकना पसंद है, और मैंने लाखों-करोड़ों लोगों की जान बचाई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है क्योंकि पाकिस्तान ने काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हवाई हमला किया था। पाकिस्तान लगातार अफगानिस्तान पर टीटीपी आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है, लेकिन पाकिस्तान ने इन आरोपों से इनकार किया है। पाकिस्तान के हवाई हमले के बाद, अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने भी जवाबी कार्रवाई की और डूरंड रेखा पर कई पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया, जिसमें उनके कई सैनिक मारे गए। इसके बाद पाकिस्तानी सरकार को 48 घंटे के युद्धविराम का आह्वान करना पड़ा। हालाँकि, शुक्रवार को युद्धविराम की अवधि समाप्त होने पर, पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर अफगानिस्तान पर हमला किया, जिसमें तीन अफगान क्रिकेटरों सहित आठ लोग मारे गए। इसके कारण अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड को पाकिस्तान के साथ त्रिकोणीय श्रृंखला रद्द करनी पड़ी, जिसमें श्रीलंका भी शामिल था।

ऑपरेशन सिंदूर भूले पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर, भारत को दी गीदड़भभकी

कहा- निर्णायक जवाब देंगे

पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भारत को "उम्मीद से परे" जवाब देने की गीदड़भभकी दी, जबकि 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के कई लड़ाकू विमान और हवाई अड्डों को भारी नुकसान पहुँचाया था। मुनीर ने इन तथ्यों को छिपाते हुए परमाणु क्षमता वाले माहौल में भारत को गंभीर सैन्य और आर्थिक परिणामों की चेतावनी दी, जिसे भारत-पाकिस्तान सैन्य तनाव में वृद्धि के रूप में देखा जा रहा है।

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर ने एक बार फिर भारत विरोधी बयानबाजी की, जबकि उनके सैनिकों को तालिबान के साथ चल रहे संघर्ष में कई झटके लगे हैं। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, काकुल स्थित पाकिस्तान सैन्य अकादमी (पीएमए) में पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए मुनीर ने कहा कि "परमाणु ऊर्जा से लैस माहौल में युद्ध की कोई गुंजाइश नहीं है।" ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के साथ हुए संक्षिप्त संघर्ष में मुनीर की सेना ने अपने कई प्रमुख हवाई अड्डे खो दिए थे। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान डरेगा नहीं। भारतीय हमलों से तबाह होने के बाद उनके डीजीएमओ ने ही युद्धविराम की मांग की थी। हालांकि, मुनीर ने इस तथ्य को छिपाने की कोशिश करते हुए कहा कि हम आपकी बयानबाजी से न तो कभी डरेंगे और न ही दबाव में आएंगे और बिना किसी झिझक के, मामूली उकसावे का भी, पूरी तरह से, निर्णायक जवाब देंगे। आगे चलकर तनाव बढ़ने की ज़िम्मेदारी, जिसके अंततः पूरे क्षेत्र और उसके बाहर विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, पूरी तरह से भारत पर होगी। मुनीर ने कहा, "अगर शत्रुता की एक नई लहर शुरू होती है, तो पाकिस्तान अपनी उम्मीदों से कहीं ज्यादा जवाब देगा।" ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के 12-13 लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया, जिनमें जमीन पर चार से पाँच F-16 और हवा में पाँच F-16 और JF-17 के साथ-साथ दो जासूसी विमान भी शामिल थे। भारतीय वायु सेना ने कई पाकिस्तानी हवाई अड्डों पर भी हमले किए, रडार, कमांड सेंटर, रनवे, हैंगर और एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (SAM) प्रणाली को नुकसान पहुँचाया।

इस स्थिति का सामना करते हुए, मुनीर ने तथ्यों को छिपाने के लिए बयानबाजी का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि संघर्ष और संचार क्षेत्रों के बीच कम होते अंतर के साथ, हमारी हथियार प्रणालियों की पहुँच और मारक क्षमता भारत के भौगोलिक युद्ध-क्षेत्र की गलत धारणा को चकनाचूर कर देगी। इससे होने वाला गहरा दर्दनाक प्रतिशोधात्मक सैन्य और आर्थिक नुकसान अराजकता और अस्थिरता फैलाने वालों की कल्पना और गणना से कहीं परे होगा।

काठमांडू के संवेदनशील पांच इलाकों में विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। नेपाली प्राधिकारियों ने राजधानी काठमांडू के पांच संवेदनशील क्षेत्रों में दो महीने की अवधि के लिए विरोध प्रदर्शनों पर शुक्रवार को प्रतिबंध लगा दिया। यह प्रतिबंध शनिवार से प्रभावी होगा। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास, सिंहदरबार सचिवालय, प्रधानमंत्री आवास, लैंचौर स्थित उपराष्ट्रपति आवास और नारायणहिती संग्रहालय के आसपास के क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। सभी पांच स्थानों पर विरोध कार्यक्रम, सभा, धरना, भूख हड़ताल और प्रदर्शन प्रतिबंधित कर दिए गए। नोटिस के अनुसार, इन संवेदनशील क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन, सभाएं और मार्च आयोजित करने से कानून-व्यवस्था की स्थिति खतरे में पड़ सकती है और शांति भंग हो सकती है, साथ ही सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचने का खतरा भी हो सकता है, जिसे देखते हुए यह प्रतिबंध लगा दिया गया है। मुख्य जिला प्रशासन अधिकारी ईश्वर राज पौडेल द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस में कहा गया है कि नेपाल के संविधान के तहत अन्य सभी स्थानों पर शांतिपूर्ण सभाओं एवं विरोध प्रदर्शनों की अनुमति है। ये प्रतिबंध पिछले महीने जेन-जेड के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के बाद लगाए गए हैं। जेन जेड उस पीढ़ी को कहा जाता है जो 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई है।

पाकिस्तानी सैनिकों ने किया टीटीपी का आत्मघाती हमला नाकाम, खैबर पख्तूनख्वा में 4 आतंकी ढेर

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगान अधिकारियों ने आत्मघाती हमलावर समेत सभी चार आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि बाजौर

एएफपी को बताया कि पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अफगानिस्तान में हवाई हमले किए, जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए और संघर्ष विराम का उल्लंघन हुआ, जिससे सीमा पर दो दिनों की शांति बनी रही। 48 घंटे के इस संघर्ष विराम ने लगभग एक हफ़्ते से चल रहे खूनी सीमा संघर्षों पर विराम लगा दिया, जिसमें दोनों पक्षों के दर्जनों सैनिक और नागरिक मारे गए थे। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अपने शिविर पर एक आत्मघाती हमले को नाकाम कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान आत्मघाती हमलावर सहित चार आतंकवादियों को मार गिराया गया। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादियों ने उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली इलाके में सुरक्षा बलों के शिविर को निशाना बनाने का प्रयास किया, जब एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को चारदीवारी से टकरा दिया, जिससे एक शक्तिशाली विस्फोट हुआ। उन्होंने बताया कि शिविर पर हमला करने की कोशिश कर रहे तीन अन्य आतंकवादियों को सुरक्षाकर्मियों ने घुसने से पहले ही मार गिराया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई भी सैनिक हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने पुष्टि की कि इस अभियान में जिले में इसी तरह की एक घटना में सुरक्षा बलों ने गोलीबारी के जरिए विस्फोटकों से लदे एक वाहन को नष्ट कर एक बड़े आतंकवादी प्रयास को नाकाम कर दिया। इस घटना में भी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा बलों ने पूर्व गोपनीय जानकारी के आधार पर त्वरित कार्रवाई की तथा खतरे को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुंचने से पहले ही समाप्त कर दिया। ऐसी ही एक अन्य घटना में सुरक्षाकर्मियों ने बन्नू जिले में पुलिस थाने की इमारत तक पहुंचने से पहले ही विस्फोटकों से लदे वाहन को नष्ट कर दिया। विस्फोट के बाद इलाके में भारी गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। ज़िला पुलिस अधिकारी सलीम अब्बास कुलाची ने बताया कि घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल भेजा गया है। सुरक्षा अधिकारियों ने यह भी बताया कि पिछले दो दिन में पूरे क्षेत्र में संचालित किए गए अभियानों में 88 आतंकवादी मारे गए हैं, जिन्हें कथित तौर पर अफगान तालिबान का समर्थन प्राप्त था। पाकिस्तानी सेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि सोमवार और बुधवार के बीच खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गोपनीय जानकारी पर आधारित कई अभियानों में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 34 आतंकवादी मारे गए।

अगर ऊंची छलांग में हैं माहिर तभी कर पाएंगे रपटा पुल से सफर, तीन माह से क्षतिग्रस्त पड़ा है पुल

संवाददाता

प्रयागराज। तहसील क्षेत्र कोरांव के रामपुर सेमरिहा गांव में सेवटी नदी पर

बना रपटा पुल बीते तीन माह पूर्व आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गया था। पुल की हालत का अंदाजा आप तस्वीर देखकर लगा सकते हैं। कई शिकायतों के बाद भी इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। क्षतिग्रस्त पुल मरम्मत के अभाव में निष्प्रयोज है। क्षतिग्रस्त होने के पहले इस पुल से दर्जन भर से अधिक गांवों के लोगों का आवागमन हुआ करता था। बाढ़ के कारण पुल का सड़क से जोड़ने वाला हिस्सा बह गया है। यह काम बहुत बड़ा भी नहीं है लेकिन जिम्मेदार लोगों की परेशानी से बेखबर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्रामीणों ने पीडब्ल्यूडी विभाग के उच्च अधिकारियों से कई बार शिकायत की, यहां तक कि संपूर्ण समाधान दिवस व मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी ऑनलाइन शिकायत की किंतु आज तक विभाग के लोग देखने तक नहीं आए। ग्रामीणों ने बताया कि पुल का निर्माण 2009 में कोरांव से विधायक रहे राजबली जैसल के प्रयास से हुआ था। निर्माण के बाद से आज तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई। बीते वर्ष भी नदी में आई बाढ़ से पुल के दोनों तरफ का हिस्सा बहाव में बह गया था। ग्रामीणों ने दोनों तरफ स्वयं मिट्टी डालकर आवा गमन चालू कर लिया था। लेकिन, इस वर्ष 17 जुलाई को आई बाढ़ में पुल के दोनों तरफ का बड़ा हिस्सा बढ़ गया। इस पुल से सेमरिहा, शिवपुर, कटरा, अतरेजी, देवघाट सहित दर्जन भर गांवों के लोगों तथा स्कूली बच्चों का आना जाना हुआ करता है। सेवटी नदी में बने पुल के क्षतिग्रस्त होने से कई गांव के लोगों का आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई किंतु विभागीय लोग बेपरवाह बने हुए हैं। - प्रकाश तिवारी, सेमरिहा तीन महीने पूर्व आई बाढ़ से पुल के दोनों तरफ का साइडर एवं पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया है। आवागमन के लिए एक तरफ ग्रामीणों के सहयोग से मिट्टी तो डाल दी गई है। वहीं दूसरे तरफ ज्यादा कटान होने की वजह से मिट्टी भर पाना मुश्किल हो गया है। बांस का चह बनाकर किसी तरह लोग आवागमन के लिए मजबूर है। प्रयागराज जाने के लिए नेशनल हाईवे मार्ग तक पहुंचने के लिए 10 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। सबसे ज्यादा समस्या स्कूली बच्चों के लिए बना हुआ है। जान जोखिम में डालकर स्कूली बच्चे अपनी साइकिल पार किया करते हैं। पुल एवं सड़क दोनों की हालत बेहद खराब है। आवागमन पूरी तरह प्रभावित है। जबकि यह गांव ब्लॉक प्रमुख कोरांव का गांव है। वहीं चार किलोमीटर दूर क्षेत्रीय विधायक राजमणि कोल का भी निवास है। किंतु जनप्रतिनिधि पुल निर्माण के लिए कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। वैकल्पिक व्यवस्था की जिम्मेदारी ब्लॉक प्रमुख एवं ग्राम प्रधान की है। रही बात पुल की मरम्मत के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। जल्द ही मरम्मत का कार्य कराया जाएगा। एक-दो दिन में वैकल्पिक व्यवस्था करा दी जाएगी।

आरओ-एआरओ मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन 31 अक्तूबर तक

संवाददाता

प्रयागराज। समीक्षा अधिकारी-सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ-एआरओ) मुख्य परीक्षा-2023 के लिए आवेदन शुरू हो गया है। अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की वेबसाइट पर

जाकर 31 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद सभी दस्तावेजों के साथ हार्ड कॉपी भी सात नवंबर तक आयोग कार्यालय में जमा करनी है। आयोग की यह परीक्षा विवादित रहने के साथ कई अन्य कारणों से खास रही। प्रारंभिक परीक्षा पूर्व में 11 फरवरी 2024 को हुई थी लेकिन पेपर लीक के कारण यह परीक्षा निरस्त कर दी गई थी। बाद में प्रारंभिक परीक्षा 27 जुलाई 2025 को दोबारा कराई गई। पेपर लीक होने के कारण परीक्षा प्रारूप में कई बदलाव किए गए थे। 419 पदों के लिए आयोजित प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम 16 अक्तूबर को घोषित किया गया था इसमें 74555 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए सफल घोषित किए गए। इनमें समीक्षा अधिकारी के 338 पदों के सापेक्ष 6093 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। वहीं, सहायक समीक्षा अधिकारी के 79 पदों के लिए 1386 अभ्यर्थी सफल घोषित हुए हैं। सहायक समीक्षा अधिकारी लेखा के दो पदों के लिए 30 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। आयोग के अनुसचिव ओंकार नाथ सिंह की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार अभ्यर्थियों को फार्म में संशोधन का सिर्फ एक मौका मिलेगा। यह संशोधन भी तय तारीख के भीतर करना होगा। कर्मचारी चयन आयोग ने संयुक्त स्नातक स्तर (सीजीएल) परीक्षा-2025 टियर-1 की उत्तर कुंजी जारी कर दी है। आयोग की वेबसाइट पर उत्तर कुंजी के साथ अभ्यर्थियों के उत्तर पत्रक भी उपलब्ध करा दिए गए हैं। अभ्यर्थी 19 अक्तूबर की रात नौ बजे तक ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। आयोग की ओर से सीजीएल परीक्षा 12 से 26 सितंबर के बीच कराई गई थी। तकनीकी कारणों के चलते परीक्षा से वंचित रह गए अभ्यर्थियों की परीक्षा 14 अक्तूबर को कराई गई। परीक्षा में 13 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे। आयोग ने अब अभ्यर्थियों के उत्तर पत्रक व अनंतिम उत्तर कुंजी जारी कर दी है।

रैगिंग के आरोपी छात्रों के अभिभावकों ने जताया खेद, बोले-अब नहीं होगी गलती

संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पीसीबी छात्रावास में रैगिंग के आरोपी सभी 18 छात्रों व उनके अभिभावकों ने

बृहस्पतिवार को कुलानुशासक कार्यालय में जांच समिति के सामने अपना पक्ष रखा। अभिभावकों ने खेद प्रकट करते हुए कहा कि आगे से इस तरह की गलती नहीं होगी। इसी क्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों व अभिभावकों का संयुक्त हलफनामा भी मांगा है। छात्रावास में रैगिंग की शिकायत पर कुलानुशासक की ओर से छापा मारा गया था। प्रारंभिक जांच में रैगिंग का मामला सामने आया था। हालांकि छात्रों ने लिखित में अपना पक्ष रखते हुए रैगिंग में शामिल न होने की बात कही है। पूरे मामले की जांच अभी भी जारी है। कुलानुशासक की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी कर रैगिंग के दोषी पाए गए 18 छात्रों को छात्रावास से निकलने के अलावा अभिभावकों के साथ उपस्थित होने के लिए कहा गया था। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को सभी 18 छात्र अपने अभिभावकों संग कुलानुशासक कार्यालय में उपस्थित हुए। अभिभावकों को रैगिंग से संबंधित वीडियो, व्हाट्सअप चैट और अन्य साक्ष्य दिखाए गए। कुलानुशासक प्रो. राकेश सिंह ने बताया कि अभिभावकों ने छात्रों के इस कृत्य पर खेद प्रकट किया। साथ में आश्वस्त किया कि आगे से छात्र इस तरह की कोई गलती नहीं करेंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में कुलानुशासक ने अभिभावकों से हलफनामा मांगा। कुलानुशासक ने बताया कि अभिभावकों व छात्रों का संयुक्त हलफनामा मांगा गया है। हलफनामे में यह भी होगा कि आगे से इस तरह के किसी कृत्य पर विश्वविद्यालय कार्रवाई कर सकता है। प्रो. राकेश सिंह का कहना है कि छात्रों के बयान व हलफनामे समेत पूरी जानकारी जांच समिति को सौंप दी जाएगी। जांच समिति की रिपोर्ट व संस्तुति के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वीडियो से ब्लैकमेल कर 4 साल तक किया दुष्कर्म

संवाददाता

एटा। एक गांव निवासी महिला ने ज्ञानसिंह निवासी कासिमपुर सहित 6 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते हुए इन लोगों ने 2022 से 10 अक्तूबर 2025 तक कई बार दुष्कर्म किया। इसके विरोध पर गालीगलौज करते हुए घर से बाहर निकाल गली में खड़ा कर लाठी-डंडों से पीटा। पीड़िता ने रिपोर्ट में लिखा है कि आरोपी ज्ञानसिंह ने 2022 में नहाते समय मोबाइल से वीडियो बना लिया। उसको इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी देते हुए दुष्कर्म किया। अगली बार उसने अपने दोस्तों को बुलाकर सामूहिक दुष्कर्म करने की कोशिश की विरोध करने पर बच्चों को मारने की धमकी देने लगा। इसके बाद 4 वर्ष तक लगातार आरोपी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर सामूहिक दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं कुछ अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाले और बदनाम किया। बताया कि 10 अक्तूबर को घर पर आकर गालीगलौज की। विरोध किया तो बाहर रास्ते पर खींचकर लाठी-डंडों से पीटने लगे। शोर सुनकर परिजन व आसपास के लोग मौके पर आए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। सीओ जलेसर ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की गहनता के साथ जांच-पड़ताल की जा रही है। जो भी तथ्य निकलकर सामने आएंगे उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

हाईकोर्ट का आदेश-अंतरधार्मिक जोड़े की सुरक्षा व सही सलामत बरेली पहुंचना सुनिश्चित करें एसएसपी

संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में शनिवार को छुट्टी के दिन अंतर धार्मिक

जोड़े के लापता होने के मामले की सुनवाई के लिए कोर्ट बैठी। इस दौरान अकराबाद पुलिस ने जोड़े को कोर्ट में हाजिर किया। कोर्ट ने बरेली एसएसपी को जोड़े की सुरक्षा और सही सलामत बरेली पहुंचना सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। साथ ही एसएसपी अलीगढ़ को कहा कि वह अगली तिथि पर मामले की पूरी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय व दिवेश चंद्र समंत की खंडपीठ ने बंदी प्रत्यक्षी करण अर्जी पर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अदालत में पेश होने के ठीक बाद अंतरधार्मिक जोड़े के कथित तौर पर लापता होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए शनिवार (18 अक्तूबर) को अवकाश के दिन सुनवाई करने का फैसला किया। शुक्रवार को कोर्ट ने प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर, एसएचओ सिविल लाइन, एसएसपी अलीगढ़, एसएचओ अकराबाद व लड़की के पिता को निर्देश दिया है कि वे दोपहर 12 बजे जोड़े को अदालत में पेश करें। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय, न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र सामंत की खंडपीठ ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान याची अधिवक्ता अली बिन सैफ ने दलील दी कि लड़की के नाखुश परिजनों ने बरेली में युवक के खिलाफ झूठे आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमे को रद्द करने की मांग में युवक ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। 15 अक्तूबर की सुनवाई में लड़की ने पीठ के सामने बयान दिया था कि वह अपनी मर्जी से उसके साथ रह रही है। उससे शादी करना चाहती है। सुनवाई के बाद जैसे ही वह कोर्ट के बाहर निकले तो लापता हो गए हैं। उनकी जान को खतरा है। खंडपीठ ने मामले की गंभीरता को समझते हुए कहा कि शनिवार को कार्य दिवस नहीं है, फिर भी मामले की अत्यावश्यकता को देखते हुए यह विशेष कोर्ट बुलाई गई है।

Bike skidded, rider died on spot before bus ran over it in Kurnool tragedy: Pillion rider tells police

Hyderabad | kurnool bus tragedy, andhra pradesh bus accident, bus accident, hyderabad, kurnool bus accident, Andhra Pradesh, Kurnool, Indian express news, current affairsThe bus caught fire in Kurnool district, Andhra Pradesh. (PTI) The bus that caught fire after coming into contact with a motorcycle in the early hours of Friday in Andhra Pradesh's Kurnool purportedly did not collide with a moving bike, but ran over one that had already met with an accident, the pillion rider on the bike told police. A rupture in the fuel tank after the Hyderabad-Bengaluru V-Kaveri Travels bus went over the bike caused a fire in which 19 passengers died. The man who was driving the bike, Kurnool resident B Siva Shankar (24), also died, but according to what the pillion rider told police, Siva likely died before the bus approached as he had fallen when the bike skidded on the wet highway that rainy night. Kurnool Superintendent of Police Vikrant Patil told The Indian Express that police questioned Shankar's friend, who was riding pillion. "The friend told us that they were both going to Dhone, which is 40 km away, when the bike skidded and they fell. Shankar appeared to have died on the spot, and this person (the pillion rider) fell on the median. He got up and dragged Shankar to the side of the highway. He was about to pick up the motorcycle when the bus ran over it," the officer said.

According to the SP, Siva's friend works in the garbage disposal department of the Greater Hyderabad Municipal Corporation and had come to Kurnool to attend a wedding. He had a late-night dinner with Siva and was supposed to catch a train from Dhone, where Siva was going to drop him. "They filled petrol at a fuel outlet 2-3 km from Chinnatekur, after which the mishap occurred," Patil said. Police have retrieved CCTV footage from the fuel outlet.

Police confirm no foul play in Daniel Naroditsky's death as FIDE announces probe into Vladimir Kramnik comments

The CCTV footage shows Shankar arriving at the fuel station at 2.24 am on the motorcycle along with his friend. Siva is then seen skidding and almost falling off the bike as he leaves the

outlet. The CCTV camera also caught the ill-fated bus passing by the same fuel outlet at 2.39 am. The mishap occurred a few minutes later, with officials putting the time of the accident at 2.45 am. After the bus went over the bike, it dragged it for 300 metres before coming to a halt, as per officials.

Siva was from B Thandrapadu village in Kurnool, about 20 km away from the Chinnatekur area where the mishap occurred. He worked in the granite works business.

On Thursday evening, he left home after telling his mother, B Yashoda, that he had some work at Dhone. Until the CCTV footage was found and Siva's friend gave his statement, police were trying to figure out if the bus collided with the motorcycle while he was driving back home or if the motorcycle had already met with an accident.

Suspect in Assam railway track blast gunned down in police encounter

Guwahati | railway trackAn IED blast had destroyed around 8-10 feet of railway track between Salakati and Kokrajhar in the BTR. (Source: Wikimedia Commons / Representational) Two days after an improvised explosive device (IED) blast ripped through several feet of railway track in Assam's Kokrajhar district, a man suspected to be responsible for the blast was killed in an encounter with police. Kokrajhar SSP Pushpraj Singh said the deceased, identified as Epil Murmu, alias Rohit Murmu, is believed to be a member of the National Santhal Liberation Army, a militant outfit known to operate in Assam's Bodoland Territorial Region (BTR). The officer said the same group had claimed responsibility for a similar blast in Jharkhand's Sahibganj district last year. In the early hours of Thursday, an IED blast had destroyed around 8-10 feet of railway track between Salakati and Kokrajhar in the BTR. The damage was identified and repaired before it could lead to any adverse incident involving trains.

SSP Singh said that on Friday night, the police received information that an armed group was hiding on Nadanguri hill in Kokrajhar district.

'Maine usko bola, Kapoor khud 350 hain': Randhir Kapoor recalled time daughter Kareena

wanted to invite only 100 people to her wedding; navigating such conversations with parents

Every Bihari child knows exile. And yet, we bloom in borrowed soil

"We received an input that they are planning some big attack. So, a police team planned a cordon and search operation. They went there and conducted a search. At around 6 am, they were fired on, and the police team fired in retaliation. After that, when they searched the area, they found an injured person. We immediately moved him to the hospital, where he was declared brought dead," he said.

Singh said that a pistol, two grenades and two ID cards — a voter ID with the name Epil Murmu and an ATM card with the name Rohit Murmu — were retrieved from the site. He said police have information that a total of around 10 people were at the site of the encounter and that the rest have moved further up the hill. Police are pursuing them, he said.

Earlier this year, a Jharkhand police team had reached out looking for the same individual in connection with a 2024 blast on railway tracks in Jharkhand's Sahibganj district, the SSP said.

Ram Madhav writes: In an unstable world, India has a stable partner

The 20th East Asia Summit (EAS) will take place from October 26 to 28 at Kuala Lumpur in Malaysia. The annual gathering of leaders from 18 countries in Asia and beyond stems from an initiative by the ASEAN leadership in 2005 to broaden deliberations on regional stability and security. Several important leaders, including US President Donald Trump, Australian Prime Minister Anthony Albanese, and the

newly elected Prime Minister of Japan, Sanae Takaichi, will attend this year's summit. Chinese President Xi Jinping and Russian President Vladimir Putin will not be attending; their countries will be represented by Premier Li Qiang and Deputy Prime Minister Alexander Novak, respectively. Prime Minister Narendra Modi will be addressing the meet virtually.

India's engagement with ASEAN began in 1992, and relations with the bloc have grown steadily since then. India became a dialogue partner of ASEAN in 1995 and joined the ASEAN Regional Forum a year later.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।